

21/12/16

वसुधैव कुटुम्बकम् परीक्षितं गच्छति वसुधैव कुटुम्बकम्
व प्रदीप्यते का अकारण विचारिता गच्छी।
व्या व्या अकारण विचारिता के अकारण मायात्मक
समय तक हाथी नहीं होना है अकारण स्वयं
कारण नहीं कारण हाथी कारिका अर्थ
ज्ञान के अकारण विचारिता है अकारण
अकारण अकारण अकारण के अकारण

उपखण्ड अधिकारी दातारामगढ